P-1106

Total Pages : 3 Roll No. .....

CVK-01

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. भारतीय कर्मकांड पद्धति में पुण्याहवाचन का क्या महत्त्व है, स्पष्ट कीजिए।

2. कलश पूजन विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. नवग्रह पूजन विधि का विस्तृत वर्णन करें।

4. अधिदेवताओं का परिचय दीजिए।

5. पञ्चलोकपाल पूजन विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. पंचांग क्या है, वर्णन करें।

2. पञ्चमहायज्ञ क्या है, इन पर प्रकाश डालिए।

3. भारतीय सनातन परम्परा में पूजन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. तिथि, वार तथा योग का वर्णन करें।

5. प्रातःकालीन भगवत स्मरण से क्या लाभ है? अपने शब्दों में लिखिए।

6. ब्रह्ममुहूर्त में उठने के क्या लाभ है, वर्णन करें।

7. सन्ध्या की आवश्यकता क्यों है? इससे होने वाले लाभ के बारे में बताएँ।

8. प्राणायाम के विनियोग को लिखिए।